नेपाल का भौगोलिक विवरण-2

Geographical Account of Nepal-2

बोलेंद्र कुमार अगम,
सहायक प्राध्यापक, भूगोल,
राजा सिंह महाविद्यालय, सिवान

गतांक से आगे .....

पशुपालन

नेपाल में कृषि भूमि की कमी के कारण पशुपालन का कार्य अधिकांश जगह पर किया जाता है । यहां पहाड़ी ढालो तथा विस्तृत नदी घाटियों में पशुपालन होता है । दूध देने वाले पशुओं की अधिकता है हालांकि इसके अतिरिक्त पशुओं से मांस, ऊन, चमड़ा भी प्राप्त किया जाता है । पहाड़ी ढलान पर पशुपालन मुश्किल काम है परंतु यहां के निवासी इस काम में माहिर हो गए हैं ।

खनिज संसाधन

खनिज संसाधन के मामले में नेपाल धनी देश नहीं है । तराई क्षेत्रों में थोड़ी मात्रा में लिग्नाइट कोयला पाया जाता है । इसी तरह मध्यवर्ती नेपाल में लोहा, तांबा, जस्ता, अभ्रक, शीशा और कोबाल्ट के भंडार स्थित है परंतु यह सभी निम्न श्रेणी के हैं । थोड़ी मात्रा में चूनापत्थर और संगमरमर भी पाया जाता है । नेपाल में परिवहन मार्ग की कठिनाई तथा अन्य क्षेत्रों में अनुसंधान के अभाव में खनिजों का उपयुक्त विकास नहीं हो पा रहा है ।

प्रमुख उद्योग धंधे

चूँकि नेपाल एक पर्वतीय देश है । यहां उद्योग धंधों का अभाव है । अधिकांश उद्योग कुटीर उद्योग है, जैसे

ऊन का काम और कंबल -	काठमांडू घाटी
लकड़ी पर खुदाई का काम -	पाटन काठमांडू तथा भटगांव
पीतल और तांबे के बर्तन -	काठमांडू पोखरा तानसेन और भोजपुर
धातु की मूर्तियां -	पाटन
मिट्टी के बर्तन -	थीमी
कागज, चमड़े का सामान -	काठमांडू घाटी
लकड़ी चीरने का कारखाना -	हरदा

इन सबके अतिरिक्त चावल उद्योग, तेल निकालना, टोकरियाँ बनाना, गन्ना पेरने आदि छोटे-छोटे उद्योग विकसित है । द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात तराई क्षेत्र के बीरगंज और विराटनगर में सूती वस्त्र और जूट की मिले स्थापित की गई । बाद में चीनी, कागज, चमड़ा, सीमेंट तथा दियासलाई के कारखाने भी स्थापित किए गए । पाटन, बालाजी, काठमांडू के निकट औद्योगिक बस्तियां स्थापित की गई ।

नेपाल में औद्योगिक विकास नहीं होने के कारण

- खनिज आधारित उद्योगों के कच्चे माल का अभाव
- कृषि वस्तुओं का आवश्यकता से अधिक उपज नहीं होना
- श्रमिकों का और कुशल होना
- गरीबी तथा अशिक्षा

- परिवहन के साधनों और मार्गों का अभाव
- राजनीतिक अस्थिरता

इन उपरोक्त कारणों से नेपाल में अभी तक कोई वृहद उद्योग स्थापित नहीं हो पाया है परंतु संभावनाएं बरकरार है । यह प्रकृति प्रदत वन और जल संसाधन की सहायता से कागज, लुगदी, तारपीन, कत्था, लकड़ी चीरने, प्लाईवुड के अलावे जल विद्युत से चलने वाले एलमुनियम संयंत्र और अन्य उद्योग स्थापित किए जा सकते हैं ।

परिवहन

नेपाल में धरातल के असामान होने के कारण परिवहन मार्ग उन्नत अवस्था में नहीं है । यहां रेल मार्ग अभी शैशव अवस्था में है । सड़क मार्ग की कुल लंबाई लगभग 20000 किलोमीटर है । 1914 में रोपवे रज्जू मार्ग धसिंग से काठमांडू तक सामान ढोने के लिए बनाया गया । इससे प्रतिदिन 100 टन माल ढोया जाता है । 1950 से यहां हवाई यातायात शुरू हुआ । काठमांडू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है । इसके अतिरिक्त भैरवा, विराटनगर, मुस्तांग, जुमला, जनकपुर, सिमरा और पोखरा में भी हवाई अड्डा स्थित है । नेपाल का प्रमुख एयरलाइंस है *रॉयल नेपाल एयरलाइंस कारपोरेशन* है ।

विदेशी व्यापार

नेपाल एक भू आवेष्ठित (Land Locked) देश है इसलिए इसका अपना समुद्र तट और रेलमार्ग का विस्तार नहीं है । इसलिए यह व्यापार के लिए भारत और चीन पर निर्भर करता है ।

भारत को निर्यात किए जाने वाले सामान इमारती लकड़ी, घी, चावल, तंबाकू, कच्चा जूट, वनस्पति तेल और चमड़ा, खाल और तिलहन आदि ।

आयात की जाने वाली वस्तु सूती और उनी वस्त्र, नमक, औषधियां, मशीनें एवं यंत्र, मोटर गाड़ियां, रेयान, पेट्रोलियम, शक्कर, सिगरेट, धातु की वस्तुएं आदि ।

जनसंख्या

2011 की जनगणना के अनुसार नेपाल की जनसंख्या 2,64,94,504 थी । जनसंख्या घनत्व 184 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है । देश में जनसंख्या का घनत्व असमान है । महान हिमालय क्षेत्र जनसंख्या के मामले में लगभग जन विहीन है जबकि काठमांडू घाटी में जनसंख्या घनत्व 500 से 600 है । कहीं-कहीं 2000 तक पहुंच गया है । देश में दो भाग घने बसे हैं जैसे दक्षिण पूर्वी तराई और पूर्वी सीमांत से लगातार पश्चिम मध्य नेपाल तक । पर्वतीय क्षेत्र और पर्वतीय ढालो पर जनसंख्या कम पाई जाती है ।

जनसँख्या संरचना

नेपाल के अधिकांश निवासी मंगोल प्रजाति और इंडो-आर्यन प्रजाति के वंशज है । मंगोल तिब्बत की ओर से आए और इंडो-आर्यन भारत की तरफ से गए । देश के दक्षिणी भाग में निवास करने वाले लोगों का रंग गहरा और कद लंबा है जबकि उत्तर में निवास करने वाले लोगों का रंग साफ और छोटे कद के हैं । नेपाल में अधिकांश आबादी हिंदू धर्म की है और शेष बौद्ध धर्म के ।

नेपाल में कई आदिवासी जनजातियां निवास करती है, जैसे *नेवार, गुरुंग, मगार, राय, लिंबूस, सन्वार्स, भूटिया, थारू* आदि

नेवार नेपाल के व्यापारी वर्ग है जो अधिकांश काठमांडू की घाटी में बसते हैं ।

गुरुंग ये लोग मुख्यतः पशुपालक है । जो अन्नपूर्णा, हिमलचूली, व गणेश हिमालय के दक्षिणी ढालों में निवास करते हैं ।

मगार यह लोग काठमांडू घाटी के पश्चिमीवर्ती जिले तथा **गुरुंग** लोगों के ठीक दक्षिण पश्चिम में पाल्पा जिले में निवास करते हैं । नेपाल के प्रमुख गोरखा सिपाही गुरुंग और मगार लोगों से आते हैं ।

राय, लिम्बुस और सनवर्सा पर्वत के पूर्वी भाग में मिलते हैं ।

भुटिया, शेरपा और थारू लोगों का निवास हिमालय के ढालो पर पाया जाता है ।

Ethnic Group	% of Population
Chhetri	16.6
Bahun	12.2
Magar	7.1
Tharu	6.6
Tamang	5.8
Newar	5
Kami	4.8
Muslims	4.4
Yadav	4
Others	33.5

Religion	% of Population
Hinduism	81.3
Buddhism	9
Islam	4.4
Kirant	3.1
Christianity	1.4
Prakriti	0.5
Others	0.3

इस प्रकार नेपाल में मैदानी और पर्वतीय जलवायु होने के कारण भिन्न-भिन्न प्रकार के लोग यहां पर निवास करते हैं । 2006 से यहाँ धर्मनिरपेक्ष शासन प्रणाली स्थापित की गयी है ।

भाषा

नेपाल में मुख्यतः दो भाषाएं हैं । एक का संबंध इंडो-आर्य परिवार से है जिसके अंतर्गत पहाड़ी भाषा निम्न हिमालय प्रदेश में तथा हिंदी तराई में बोली जाती है । दूसरी भाषा तिब्बती-बर्मी भाषा से संबंध रखती है जिसके अंतर्गत नेवारी भाषा महान हिमालय क्षेत्र में तथा अन्य भाषाए मगारकुरा, गुरुंगकुरा और किराती अन्यत्र बोली जाती है । देश की राष्ट्रीय भाषा नेपाली है ।

प्रमुख नगर

काठमांडू

काठमांडू देश की राजधानी होने के साथ-साथ प्रमुख राजनीतिक, व्यापारिक और औद्योगिक केंद्र है । यहां नेपाल का अंतरराष्ट्रीय त्रिभुवन हवाई अड्डा स्थित है । इस नगर की जनसंख्या 100000 है । काठमांडू नेपाल के समस्त भागों द्वारा सड़क और रेलमार्ग के द्वारा जुड़ा हुआ है ।

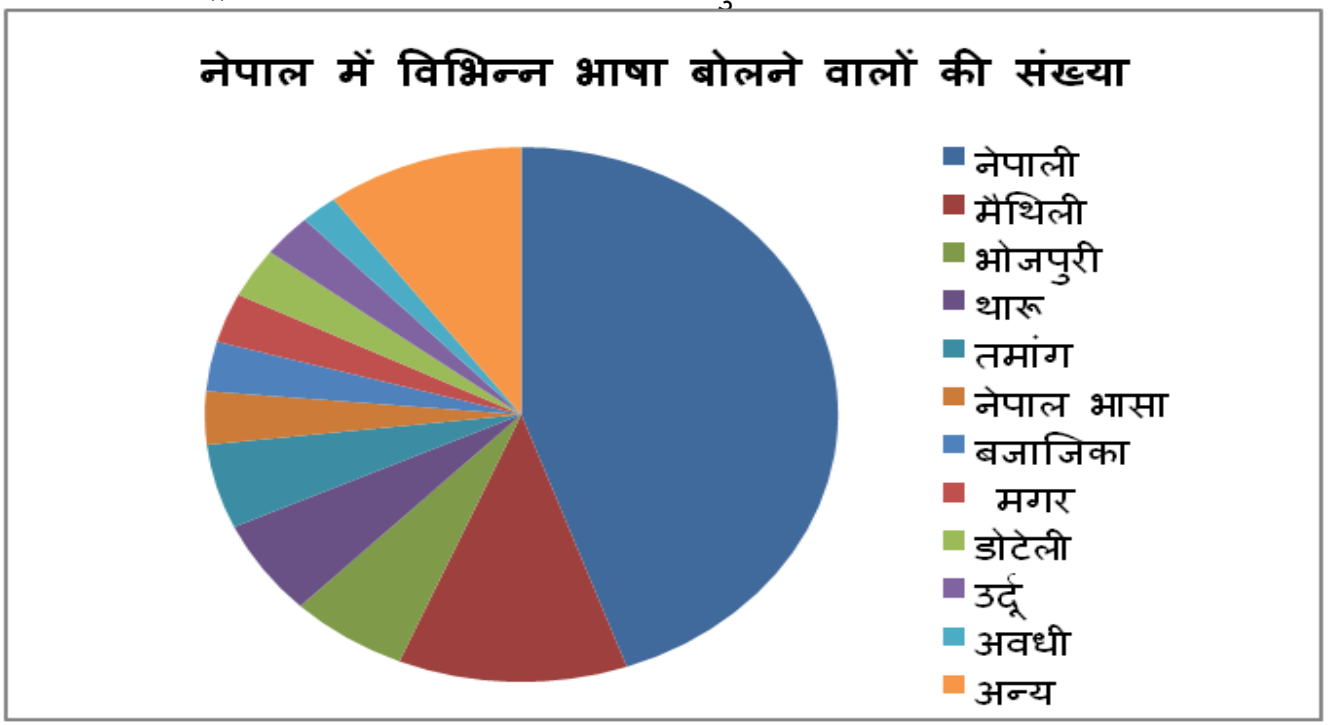

****

- सन्दर्भ: एशिया का भूगोल-एस बी पी डी प्रकाशन(चतुर्भुज ममोरिया), इन्टरनेट

****